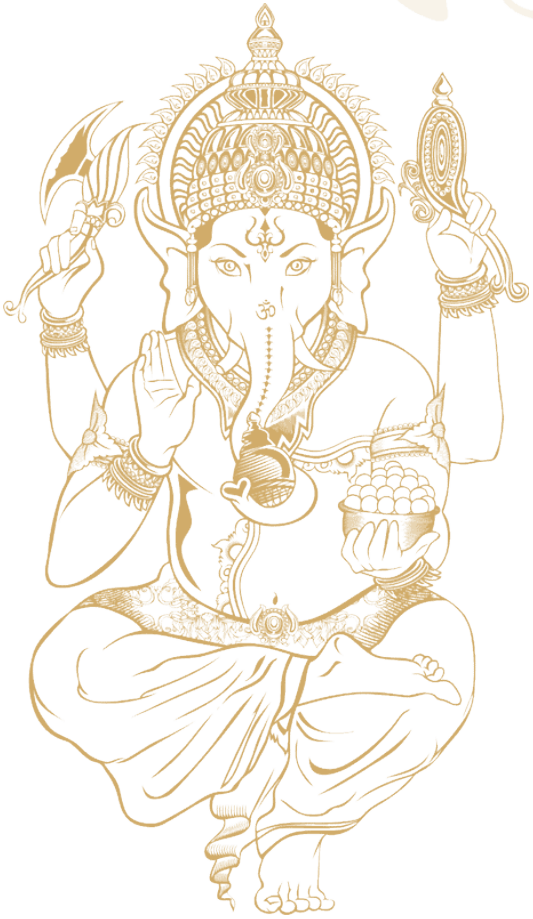

Priya

08 Mar 1996

12:05 PM

Panipat

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 120781803

स्त्रीलिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
08/03/1996	जन्म तिथि	**08/03/2025**
शुक्रवार	दिन	शनिवार
घंटे 12:05:00	जन्म समय	22:41:23 घंटे
घटी 13:31:56	जन्म समय(घटी)	40:02:50 घटी
India	देश	India
Panipat	स्थान	Panipat
उत्तर 29:24:00	अक्षांश	29:24:00 उत्तर
पूर्व 76:58:00	रेखांश	76:58:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:22:08	स्थानिक संस्कार	-00:22:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:40:13	सूर्योदय	06:40:14
18:25:59	सूर्यास्त	18:25:58
23:48:20	चित्रपक्षीय अयनांश	24:12:33

मिथुन	लग्न	तुला
बुध	लग्न लग्नाधिपति	शुक्र
कन्या	राशि	मिथुन
बुध	राशि-स्वामी	बुध
चित्रा	नक्षत्र	आर्द्रा
मंगल	नक्षत्र स्वामी	राहु
2	चरण	4
वृद्धि	योग	सौभाग्य
विष्टि	करण	गर
पो-पौरुष	जन्म नामाक्षर	छ-छवि
मीन	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन
वैश्य	वर्ण	शूद्र
मानव	वश्य	मानव
व्याघ्र	योनि	श्वान
राक्षस	गण	मनुष्य
मध्य	नाड़ी	आद्य
मूषक	वर्ग	सिंह
29	गत/तत्कालिक वर्ष	30

जन्म – विवरण / वर्ष – विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
मृगशिरा	3	02:35:13	मिथु			लग्न			तुला	20:18:22	1	विशाखा
पू०भाद्रपद	2	24:10:18	कुंभ			सूर्य			कुंभ	24:10:18	2	पू०भाद्रपद
चित्रा	2	28:14:14	कन्या			चंद्र			मिथु	19:34:06	4	आर्द्रा
पू०भाद्रपद	2	23:22:58	कुंभ		अ	मंगल			मिथु	23:44:34	2	पुनर्वसु
शतभिषा	1	07:27:36	कुंभ			बुध			मीन	12:18:09	3	उ०भाद्रपद
पूर्वाषाढ़ा	2	19:06:08	धनु			गुरु			वृष	18:45:36	3	रोहिणी
अश्विनी	3	08:37:56	मेष			शुक्र	व		मीन	15:41:41	4	उ०भाद्रपद
पू०भाद्रपद	4	02:29:18	मीन		अ	शनि		अ	कुंभ	27:25:41	3	पू०भाद्रपद
चित्रा	1	23:28:39	कन्या			राहु	व		मीन	03:14:35	4	पू०भाद्रपद
रेवती	3	23:28:39	मीन			केतु	व		कन्या	03:14:35	2	उ०फाल्गुनी
उत्तराषाढ़ा	4	09:16:48	मक			मु			वृश्चिक	02:35:13	4	विशाखा

व – वक्री स – स्थिर
अ – अस्त पू – पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:12:33

लग्न-चलित

वर्ष लग्न कुंडली

FUTUREPOINT Astro Solutions
एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोनः- 011-40541000, 40541020
Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

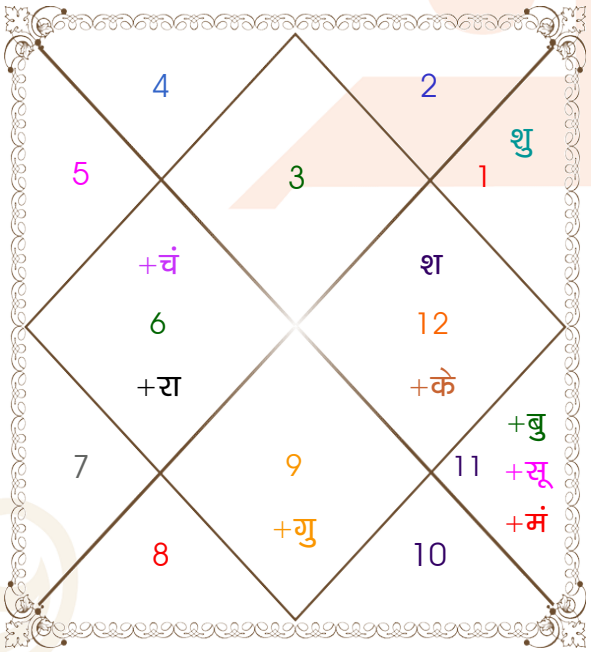

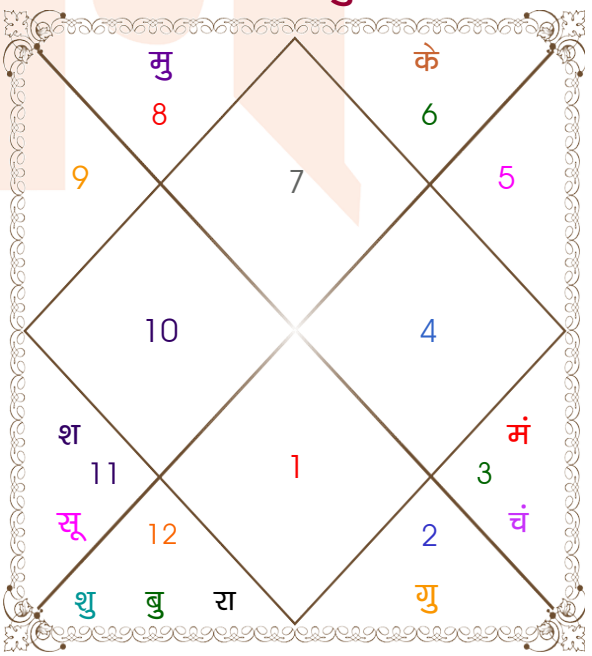

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

गुरु - केतु - राहु		गुरु - केतु - गुरु		गुरु - केतु - शनि		गुरु - केतु - बुध	
06/12/2025 20:20		26/01/2026 23:35		13/03/2026 10:27		06/05/2026 09:53	
26/01/2026 23:35		13/03/2026 10:27		06/05/2026 09:53		23/06/2026 16:56	
राहु	14/12/2025 12:25	गुरु	02/02/2026 01:02	शनि	21/03/2026 23:34	बुध	13/05/2026 06:05
गुरु	21/12/2025 08:03	शनि	09/02/2026 05:45	बुध	29/03/2026 15:05	केतु	16/05/2026 01:41
शनि	29/12/2025 10:22	बुध	15/02/2026 16:17	केतु	01/04/2026 18:39	शुक्र	24/05/2026 02:52
बुध	05/01/2026 16:14	केतु	18/02/2026 07:56	शुक्र	10/04/2026 18:33	सूर्य	26/05/2026 12:49
केतु	08/01/2026 15:49	शुक्र	25/02/2026 21:44	सूर्य	13/04/2026 11:19	चंद्र	30/05/2026 13:24
शुक्र	17/01/2026 04:21	सूर्य	28/02/2026 04:17	चंद्र	17/04/2026 23:16	मंगल	02/06/2026 09:01
सूर्य	19/01/2026 17:43	चंद्र	03/03/2026 23:11	मंगल	21/04/2026 02:50	राहु	09/06/2026 14:53
चंद्र	23/01/2026 23:59	मंगल	06/03/2026 14:49	राहु	29/04/2026 05:09	गुरु	16/06/2026 01:25
मंगल	26/01/2026 23:35	राहु	13/03/2026 10:27	गुरु	06/05/2026 09:53	शनि	23/06/2026 16:56

गुरु - शुक्र - शुक्र		गुरु - शुक्र - सूर्य		गुरु - शुक्र - चंद्र		गुरु - शुक्र - मंगल	
23/06/2026 16:56		03/12/2026 00:56		20/01/2027 17:44		11/04/2027 21:44	
03/12/2026 00:56		20/01/2027 17:44		11/04/2027 21:44		07/06/2027 17:20	
शुक्र	20/07/2026 18:16	सूर्य	05/12/2026 11:23	चंद्र	27/01/2027 12:04	मंगल	15/04/2027 05:17
सूर्य	28/07/2026 21:04	चंद्र	09/12/2026 12:47	मंगल	01/02/2027 05:42	राहु	23/04/2027 17:49
चंद्र	11/08/2026 09:44	मंगल	12/12/2026 08:57	राहु	13/02/2027 09:54	गुरु	01/05/2027 07:38
मंगल	20/08/2026 21:00	राहु	19/12/2026 16:17	गुरु	24/02/2027 05:38	शनि	10/05/2027 07:32
राहु	14/09/2026 05:24	गुरु	26/12/2026 04:07	शनि	09/03/2027 02:04	बुध	18/05/2027 08:43
गुरु	05/10/2026 20:52	शनि	02/01/2027 21:11	बुध	20/03/2027 14:02	केतु	21/05/2027 16:15
शनि	31/10/2026 13:44	बुध	09/01/2027 18:45	केतु	25/03/2027 07:40	शुक्र	31/05/2027 03:31
बुध	23/11/2026 13:40	केतु	12/01/2027 14:56	शुक्र	07/04/2027 20:20	सूर्य	02/06/2027 23:42
केतु	03/12/2026 00:56	शुक्र	20/01/2027 17:44	सूर्य	11/04/2027 21:44	चंद्र	07/06/2027 17:20

गुरु - शुक्र - राहु		गुरु - शुक्र - गुरु		गुरु - शुक्र - शनि		गुरु - शुक्र - बुध	
07/06/2027 17:20		31/10/2027 19:44		09/03/2028 16:32		10/08/2028 21:44	
31/10/2027 19:44		09/03/2028 16:32		10/08/2028 21:44		26/12/2028 21:20	
राहु	29/06/2027 15:18	गुरु	18/11/2027 03:19	शनि	03/04/2028 02:34	बुध	30/08/2028 10:53
गुरु	19/07/2027 02:49	शनि	08/12/2027 16:48	बुध	24/04/2028 22:54	केतु	07/09/2028 12:03
शनि	11/08/2027 06:00	बुध	27/12/2027 02:21	केतु	03/05/2028 22:48	शुक्र	30/09/2028 11:59
बुध	31/08/2027 22:44	केतु	03/01/2028 16:10	शुक्र	29/05/2028 15:40	सूर्य	07/10/2028 09:34
केतु	09/09/2027 11:17	शुक्र	25/01/2028 07:38	सूर्य	06/06/2028 08:44	चंद्र	18/10/2028 21:32
शुक्र	03/10/2027 19:41	सूर्य	31/01/2028 19:28	चंद्र	19/06/2028 05:10	मंगल	26/10/2028 22:43
सूर्य	11/10/2027 03:00	चंद्र	11/02/2028 15:12	मंगल	28/06/2028 05:04	राहु	16/11/2028 15:27
चंद्र	23/10/2027 07:12	मंगल	19/02/2028 05:01	राहु	21/07/2028 08:15	गुरु	05/12/2028 01:00
मंगल	31/10/2027 19:44	राहु	09/03/2028 16:32	गुरु	10/08/2028 21:44	शनि	26/12/2028 21:20

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य मध्यम रहेगा तथा समय समय पर वातजनित रोगों से आप कष्ट एवं परेशानी की अनुभूति करेंगे। साथ ही मानसिक स्थिति भी सामान्य रहेगी तथा यदा कदा मन में उद्विग्नता तथा व्याकुलता का भाव विद्यमान रहेगा। पारिवारिक सुख शान्ति इस समय मध्यम रहेगी तथा समय समय पर परिवार में कलह तथा मतभेद रहेगा साथ ही पारिवारिक जनों से आपको अल्प मात्रा में ही सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा। इस वर्ष में आपकी सामाजिक मान प्रतिष्ठा भी मध्यम रहेगी तथा लोग आपका यथोचित सम्मान नहीं करेंगे। साथ ही धर्म के प्रति भी आपकी अरूचि तथा उपेक्षा बनी रहेगी तथा धार्मिक कार्य कलापों को भी अल्प मात्रा में ही सम्पन्न करेंगे। स्त्री पक्ष से इस समय आपको सामान्य सुख प्राप्त होगा परन्तु निम्न श्रेणी की स्त्रियों से आपको हानि हो सकती है अतः इनसे सम्पर्क न रखें। साथ ही सेवक वर्ग का सुख भी आप मध्यम ही प्राप्त करेंगे।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष मध्यम रहेगा तथा यदा कदा इसमें अनावश्यक समस्याएं होगी। साथ ही हानि की भी संभावना रहेगी। अतः ऐसे समय में नवीन कार्यो को प्रारंभ न करें। नौकरी या राजनीति में भी इस समय उन्नति मार्ग में बाधाएं आएंगी तथा आपके उच्चाधिकारी या वरिष्ठ नेता प्रसन्न नहीं रहेंगे अतः ऐसे समय में आपको उनकी उपेक्षा नहीं करनी चाहिए। आर्थिक स्थिति आपकी इस समय अच्छी नहीं रहेगी परन्तु बहिनों या भाईयों के द्वारा किंचित लाभ अर्जित हो सकता है। साथ ही अन्यत्र भी लाभ मार्ग प्रशस्त रहेंगे। इसके अतिरिक्त निम्न वर्ग के लोगों से हानि होगी अतः इनसे सतर्क रहें। इस प्रकार परिश्रम करने में तत्पर रहें तभी आपको शुभ फलों की प्राप्ति हो सकेगी ।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न तथा शान्त रहेंगी। इस समय आप में बल एवं उत्साह के भाव की अधिकता रहेगी तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्यो को आप उत्साह एवं परिश्रम से सम्पन्न करेंगी फलतः इनमें आपको वांछित सफलता प्राप्त होगी। सामाजिक क्षेत्र में भी इस समय आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी तथा दूर दूर तक यश भी व्याप्त होगा। इससे सभी लोग आपसे प्रभावित रहेंगे एवं आपको उचित आदर तथा सम्मान प्रदान करेंगे। मित्रों संबधियों तथा बन्धुवर्ग से भी इस समय आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा एवं उनसे आप लाभ अर्जित करने में भी समर्थ रहेंगी। मिष्ठान्न के प्रति आपकी अधिक रूचि रहेगी तथा समय समय पर रूचि पूर्वक आप इनका भक्षण करेंगी।

इस वर्ष में उच्चाधिकारी वर्ग या राजनैतिक नेताओं से आपको आश्रय मिलेगा तथा उनसे पूर्ण सहयोग तथा लाभ अर्जित करने में आप समर्थ रहेंगी फलतः आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथा समय सिद्ध होंगे। आर्थिक दृष्टि से भी यह वर्ष आपके लिए शुभ रहेगा तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में आप समर्थ रहेंगी।इस समय आपके आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी एवं आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी। इसके अतिरिक्त पति एवं पारिवारिक जनों से आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग मिलेगा जिससे पारिवारिक तथा दाम्पत्य सुख में मधुरता रहेगी तथा आपका समय शान्ति एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।